Book Ad Any category of Classified and get
Special Discount
Times of india/ Hindustan times/ Denik jagran / Amar ujala/ Navbharat times Hindustan hindi
Discount Code TBC10
Contact:
Kunika Advertising
Plot no- 516. Sector-12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad
Mo. 8130640000

Year-14 **Issue-** 50
Ghaziabad, Sunday, 14 May- 2023

14 May to 20 May- 2023

Page: 8

Postal Registration No: UP/GZB- 80/2016-18

RNI.No: UPBIL/2009/28691

DAVP Code:101473

Editor: Dheeraj Kumar

Mob.: 9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad
डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
www.tbcgzb.com
Email: editor@tbam.co.in

Page 2

Page 5

Page 7

सुनीता दयाल ने बीजेपी का लहराया परचम

90 हजार से अधिक मतों के अंतर से अजेय रहने का रिकॉर्ड कायम रखा

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनावों के नतीजे आने शुरू हो गए हैं। गाजियाबाद मेयर पद के लिए हुए चुनाव में बीजेपी की सुनीता दयाल ने बड़ी जीत हासिल की है। बीजेपी ने 90 हजार से अधिक मतों के अंतर से इस सीट पर अजेय रहने का रिकॉर्ड कायम रखा है। वहीं, सपा की पूनम यादव को हार का सामना करना पड़ा। वहीं, बसपा से चुनावी रण में निसारा खान प्रत्याशी थीं। कांग्रेस ने पुष्पा रावत और आम आदमी पार्टी ने जानकी जगत बिष्ट को मैदान में उतारा था। गाजियाबाद में दूसरे चरण यानी 11 मई को मतदान हुए थे। वहीं, नगर निगम के लिए 41.43 फीसदी मतदान हुए थे। वार्ड 40 साहिबाबाद से हिमांशु चौधरी, वार्ड-81 शक्तिखण्ड से धीरज अग्रवाल, वार्ड-36 प्रहलादगढी से प्रतिमा शर्मा, पिलखुवा के 13-मण्डी गंज से शिवकुमार नगर पालिका परिषद सदस्य निर्वाचित हुए हैं।

आपकों बता दें कि साल 1995 में गाजियाबाद नगर निगम बन था। उसके बाद से इस सीट पर लगातार बीजेपी उम्मीदवार ही मेयर के चुनाव में विजय हुआ है। सुनीता दयाल ने इस रिकॉर्ड को कायम रखा है। वहीं, आम आदमी पार्टी का गाजियाबाद नगर निगम की मेयर सीट पर अपना कैंडिडेट बैठाने का सपना अधूरा रह गया है।

राजनीति में सुनीता दयाल पुरानी खिलाड़ी हैं। उन्होंने राजनीति में एंट्री एबीवीपी का दामन थाम कर की थी। वर्तमान में बीजेपी की प्रदेश (यूपी) उपाध्यक्ष हैं। साल 2004 में बीजेपी के टिकट पर सुनीता ने विधानसभा उपचुनाव लड़ा था। इससे पहले वह 2004 में भाजपा के टिकट पर विधानसभा उपचुनाव लड़ चुकी हैं। उस वक्त समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी सुरेंद्र कुमार मुन्नी से पराजित हो गईं थीं। इस दौरान उनपर हमला भी हुआ था। आपको बता दें कि गाजियाबाद नगर निगम में 100 वार्डों, 4 नगर पालिका और 3 नगर पंचायत हैं। लोनी में सपा-रालोद की गठबंधन प्रत्याशी रंजीता धामा चेयरमैन बनीं। वहीं, मुरादनगर से अध्यक्ष पद पर

हिमांशु चौधरी

धीरज अग्रवाल

प्रतिमा शर्मा

शिवकुमार

खोड़ा में मोहिनी शर्मा ने ढहाया भाजपा का किला

खोड़ा। खोड़ा-मकनपुर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद पर निर्दलीय प्रत्याशी मोहिनी शर्मा ने जनता का मनमोह कर रीना भाटी के खिलाफ 33042 वोटों पाकर जीत दर्ज की। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार रीना भाटी को पांच हजार 769 वोटों से हराया लेकिन वह रीना भाटी के पुराने रिकॉर्ड 20 हजार वोटों के रिकॉर्ड को तोड़ नहीं पाईं। आठ राउंड की मतगणना में रीना भाटी को 27 हजार 273 वोट मिले और वह दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं, बहुजन समाज पार्टी की प्रत्याशी मुन्नी देवी को 4746 मत पड़े। परिषद के चुनाव में कुल एक लाख 75 हजार वोट में से दस प्रत्याशियों को 73 हजार 695 मत पड़े, जिनमें से 4548 मत रद्द हो गए। शाम छह बजे मतगणना स्थल पर अधिकारियों ने विजेता मोहिनी शर्मा को

प्रमाण पत्र सौंपा।

पूर्व विधायक पंडित अमरपाल शर्मा की पत्नी मोहिनी शर्मा ने चुनाव के पहले राउंड से ही भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ बढ़त बना ली थी। उन्हें पहले राउंड में 7 हजार 389 वोट मिले थे। वहीं रीना भाटी को 5500 वोटों से ही संतोष करना पड़ा था। दूसरे राउंड में बैलेट पेपर खोलने के लिए टेबल पर लाए गए तो मोहिनी शर्मा के समर्थकों को हौसला मिलने लगा। दूसरे राउंड में खोड़ा के लोगों ने मोहिनी शर्मा पर विश्वास दिखाया और उन्हें 2800 वोटों से फिर बढ़त में कर दिया। उनके खाते में छह हजार 191 वोट गए जबकि रीना भाटी को 5203 वोट पड़े। तीसरे राउंड में वोटों की बढ़त का अंतर 3700 से भी पार हो गया। जैसे-जैसे मत पेटियां खुल रही थीं वैसे ही मतगणना स्थल से रीना भाटी के एजेंट भी टेबल छोड़ने लगे थे। दोपहर बाद योगेश भाटी ने मतगणना स्थल पर मोर्चा संभाला। चौथे राउंड में मोहिनी शर्मा को 4200 और पांचवें व छठे राउंड में 4500 वोटों से आगे रहीं। फाइनल आठवें राउंड में उनकी पांच हजार 769 वोटों से जीत घोषित कर दिया। चुनाव में सबसे खराब प्रदर्शन कांग्रेस उम्मीदवार उर्मिला सिंह का रहा। उन्हें महज 610 वोट ही पड़े और उनकी जमानत जब्त हो गई।

चुनाव जीतने के बाद मोहिनी शर्मा ने कहा कि खोड़ा की जनता से किया गंगाजल आपूर्ति का वादा मेरी पहली प्राथमिकता है। छह महीने में लोगों को हर घर गंगाजल पहुंचाया जाएगा। पहली बैठक में गंगाजल आपूर्ति को लेकर बनी योजना पर चर्चा कर उस प्रस्ताव को पास कराया जाएगा। वहीं, उनके पति और पूर्व विधायक पंडित अमरपाल शर्मा ने कहा कि लोगों ने हमारे चुनाव चिह्न पानी के नल को सबसे ज्यादा वोट देकर हमें और भी संकल्पबद्ध कर दिया है। खोड़ा में सिर्फ गंगाजल ही नहीं, अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी कमी महसूस नहीं होने दी जाएगी।

मानवता के खिलाफ अघोषित आतंकवाद का एजेंडा है लव जिहाद: योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी ने मंत्रिपरिषद सदस्यों के साथ देखी बहुप्रशंसित फिल्म 'द केरल स्टोरी'

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'लव जिहाद' को मानवता के खिलाफ अघोषित आतंकवाद का एजेंडा कहा है। शुक्रवार को मंत्रिपरिषद सदस्यों के साथ बहुप्रशंसित फिल्म 'द केरल स्टोरी' देखने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फिल्म 'लव जिहाद जैसे षड्यंत्र के प्रति पूरे देश का ध्यान आकर्षित करती है। पूरे समाज को इस विकृति के बारे में जागरूक होना होगा।

लोकभवन में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग होने के बाद उन्होंने फिल्म के विषय और प्रस्तुतिकरण की सराहना करते हुए फिल्म के निमार्ता, निर्देशक सहित पूरी टीम के प्रयासों को साहसिक बताते हुए सराहना की है। उन्होने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार हर उस विकृति के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलती है जो सामाजिक एकता में बाधा हो, राष्ट्रीय एकता को चुनौती देती हो तथा मानवता के लिए खतरा उत्पन्न करती हो। इसीलिए हमारी सरकार ने लव जिहाद जैसी विकृति के खिलाफ 27 नवम्बर 2020 को ही उत्तर प्रदेश विरुद्ध धर्म सम्परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम को पहले अध्यादेश और फिर विधिवत कानून बनाकर इसे प्रदेश में प्रभावी ढंग से लागू किया है। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार नवम्बर 2020 में उत्तर प्रदेश विरुद्ध धर्म सम्परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम लागू होने के बाद से अब तक इस कानून के अन्तर्गत प्रदेश में अब तक कुल 433 अभियोग पंजीकृत हो चुके हैं। उक्त अभियोगों में नामजद कुल 1229 अभियुक्त तथा विवेचना के दौरान प्रकाश में आए कुल 242 अभियुक्तों को मिलाकर 1471 आरोपियों पर कार्यवाही की है, जिसमें 855 गिरफ्तारियां हुई हैं। अद्यतन स्थिति के मुताबिक 339 में आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किए जा चुके हैं तथा 184 पीड़िताओं द्वारा 164 दंड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत मा. न्यायालय के समक्ष अपने अभिकथन की पुष्टि की गई है। इनमें 66 अभियोग नाबालिगों से संबंधित है।

अवैध रूप से बने गैस के सिलेंडर के गोदाम में लगी भीषण आग

जोरदार धमाके के साथ सिलेंडर फटे

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कैला भट्टा इलाके में रेलवे लाइन के पास अचानक उस वक्त भगदड़ मच गई। जब वहां स्थित एक अवैध रूप से संचालित गैस के गोदाम में भीषण आग लग गई इस दौरान छोटे हाथी (टेंपो) में काफी संख्या में सिलेंडर भरे हुए थे। इस दौरान टेंपो में भी आग लग गई। जिसके बाद जोरदार ब्लास्ट हुआ और गोदाम की दीवार और छत भरभरा कर नीचे गिर गई। आनन-फानन में इसकी सूचना दमकल विभाग की टीम को दी गई। सूचना के आधार पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद 4 फायर टेंडर की मदद से आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि दमकल विभाग की टीम समय रहते ही मौके पर पहुंच गई। वरना आसपास के घरों को भी अपनी चपेट में ले सकती थी। क्योंकि गैस के सिलेंडर भी एक-एक कर जोरदार धमाके के साथ फट रहे थे। जिन के टुकडे दूर-दूर तक जा गिरे गनीमत रही कि इस दौरान कोई जनहानि तो नहीं हुई। लेकिन बताया जा रहा है कि 3 लोग जख्मी हो गए जिन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आसपास के लोगों के द्वारा बताया जा रहा है। कि इस खाली मकान में अवैध गैस का गोदाम बनाया हुआ था और यहां पर गैस की रिफलिंग की जाती थी। जिस वक्त इस गोदाम में आग लगी उस समय भी गैस की निकली की जा रही थी।

मौके पर पहुंचे फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया कि इस तरह की सूचना दमकल विभाग की टीम को प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर तत्काल प्रभाव से चार फायर टेंडर के साथ दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि तंग गली में स्थित एक मकान में रखे सिलेंडरों में आग लगी थी।उन्होंने बताया कि समय रहते ही आसपास के मकानों को भी आग की चपेट में आने से बचा लिया गया वरना और भी बड़ा हादसा हो सकता था।

चार दिन में यूपी के 142 छात्रों को मणिपुर से सकुशल वापस ले आई योगी सरकार

मणिपुर में ट्रिपल आईटी, एनआईटी, स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, मेडिकल कॉलेज आदि संस्थानों के हैं छात्र

लखनऊ। मणिपुर में उपजी विषम परिस्थितियों के बीच उत्तर प्रदेश के छात्रों को वहां से सकुशल निकालने को लेकर योगी सरकार के रेस्क्यू ऑपरेशन में अबतक 142 छात्रों को वापस लाने में सफलता मिली है। इसके बाद अब एक भी छात्र वापस लाये जाने के लिए नहीं बचा है। प्रदेश के 50 जिलों के कुल 158 छात्र मणिपुर के विभिन्न सस्थानों में फंसे थे, जिन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन चलाते हुए सकुशल वापस यूपी लाया जा सका है। राहत आयुक्त प्रभु नारायण सिंह ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मणिपुर में विभिन्न शिक्षण संस्थानों में यूपी के 158 छात्र होने की जानकारी मिलने के बाद ही उन्हें वहां से सकुशल निकालने के लिए मिशन मोड में अभियान चलाया गया। अबतक 142 छात्रों को यूपी वापस लाया गया है। इसके अलावा 11 छात्रों ने अपने संसाधन से यूपी लौटने की बात कही है। जबकि 5 ऐसे छात्र हैं जिन्होंने मणिपुर से वापस आने से इनकार किया है। इस प्रकार अब शासनस्तर पर एक भी छात्र मणिपुर में नहीं बचा है जिन्हें वापस लाना है।

राहत आयुक्त ने बताया कि 9 तारीख से छात्रों के वापस आने का सिलसिला शुरू हुआ था। इसमें पहले दिन 62 छात्र, 10 मई को 36 छात्र, 11 मई को 32 छात्र वापस

आए हैं। वहीं अंतिम दिन 12 छात्र मणिपुर से सकुशल लौटे हैं। इन छात्रों में कुछ को इम्फाल से दिल्ली लाया गया, जहां यूपी भवन में विश्राम और भोजन आदि की व्यवस्था की गई थी। इसके अलावा बड़ी संख्या में छात्रों को लखनऊ एयरपोर्ट लाया गया। सभी छात्रों को बाद में वॉल्वो बसों और कार के जरिए उनके जिलों में उनक घर तक भेजा गया है। छात्रों की सकुशल वापसी के बाद सभी बच्चों और उनके अभिभावकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार जताया है। राहत आयुक्त ने बताया कि मणिपुर की सरकार की ओर से यूपी के छात्रों को निकालने में भरपूर सहयोग मिला। यूपी के छात्रों को वहां एक बस से एयरपोर्ट लाने की सुविधा प्रदान की गई है। इसलिए कोई भी छात्र किसी तरह की हिंसा का शिकार या इंजर्ड नहीं हुआ है।

राहत आयुक्त के अनुसार सर्वाधिक बच्चे लखनऊ, प्रयागराज और कानपुर जिले के हैं। इनके साथ ही यूपी के 50 जिलों के छात्रों को मणिपुर से सकुशल वापस लाया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रिपल आईटी मणिपुर के 65 छात्र, एनआईटी इम्फाल के 49 छात्र, स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के 30 छात्र, मेडिकल कॉलेज के 2 छात्र, सेंट्रल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी के 3 छात्र, मणिपुर यूनिवर्सिटी ऑफ कल्चर का 1 छात्र, जेएनआईएमएस के 6 छात्र सहित 2 अन्य छात्रों के बारे में सरकार को जानकारी मिली थी। राहत आयुक्त ने बताया कि मणिपुर में विषम परिस्थितियों को देखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर की व्यवस्था की गई थी, जिसके बाद मणिपुर में कुल 158 छात्रों के फंसे होने की बात पता लगी थी। उन्होंने बताया कि पहले सरकार को 136 छात्रों के मणिपुर में होने की जानकारी मिली थी, जिस पर अभियान चलाकर उन्हें वापस लाने की कार्रवाई शुरू की गई। इसके बाद 22 और छात्रों के बारे में पता लगा। प्रदेश सरकार की ओर से लग्जरी बसों और कारों से सुरक्षित उनके घरों के लिए रवाना किया गया है। रेस्क्यू अभियान के तहत मणिपुर से आने वाले सभी छात्रों की उचित देखभाल की गई। दूर-दराज के जिलों के छात्रों को वोल्वो बसों द्वारा भेजा गया, जबकि आस-पास के बच्चों के लिए कार का प्रबंध किया गया था।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स को बनाया जाएगा जीरो वेस्ट इवेंट

गोरखपुर। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में प्रतिभागी खिलाड़ी 'स्वच्छ गोरखपुर-सुंदर गोरखपुर' का भी दीदार करेंगे। गोरखपुर की मेजबानी में रामगढ़ताल में होने जा रही रोइंग प्रतियोगिता को 'जीरो वेस्ट इवेंट' के रूप में संपन्न कराने की कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। प्रतियोगिता स्थल और आसपास तनिक भी गंदगी न दिखे, इसके लिए नगर निगम 247 पैटर्न पर सफाईकर्मियों के विशेष दस्ते की तैनाती करेगा। रामगढ़ताल में रोइंग प्रतियोगिता 27 से 31 मई तक होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर हो रहे इस आयोजन को अविस्मरणीय बनाने के लिए कई विभागों को जिम्मेदारी दी गई है। प्रतियोगिता के साथ शहर की भी ब्रांडिंग हो, इसके लिए शहर की स्वच्छता और सुंदरता पर खास फोकस रहेगा।

संपूर्ण आयोजन में स्वच्छता व अन्य नागरिक सुविधाओं की जिम्मेदारी नगर निगम की होगी।

‘माइक्रोवेव से पकाने के लाभ व हानि’ विषय पर गोष्ठी संपन्न

माइक्रोवेव ने महिलाओं की ज़िंदगी को आसान बना दिया है: प्रो. करुणा चांदना

गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ‘माइक्रोवेव से पकाने के लाभ व हानि’ विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 533 वाँ वेबिनार था। मुख्य वक्ता प्रो. करुणा चांदना ने कहा कि माइक्रोवेव के काफी लाभ है इससे समय की बचत होती है और गुणवत्ता भी कम नहीं होती।उन्होंने कहा कि माइक्रोवेव सभी रसोईयों में पाए जाने वाला महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है इसमें कोई शक नहीं कि इसने कामकाजी महिला की जिंदगी को अत्यंत आसान बना दिया है माइक्रोवेव में जब जब भोजन को पकाने के लिए रखते हैं तो इलेक्ट्रिसिटी माइक्रोवेव्स में बदल जाती है जिससे भोजन के अणु एक दूसरे से टकराने लगते हैं।अब उर्जा हीट में बदल जाती है,यही हीट खाने को पका देती है।माइक्रोवेव पर हुई शोध के अनुसार माइक्रोवेव की रेडिएशन हार्मफुल नहीं है क्योंकि यह लो फ्रिकवेंसी की होती है दूसरा यह सुरक्षित वेवलेंथ सीमा के अंदर होती हैं। जिससे सेल्स को तथा डीएनए को कोई नुकसान नहीं होता।इसके लाभ यह है कि माइक्रोवेव में खाना जल्दी बनता है इसलिए इससे समय की बचत होती है यह जगह भी कम घेरता है।माइक्रोवेव इकोनॉमिकल तथा एनर्जी बचाने वाला उपकरण है। हल्ड के

अनुसार इसमें भोजन पकाने में खुशबू स्वाद तथा पौष्टिक तत्व बने रहते हैं जबकि दूसरी पारंपरिक विधियों में विटामिन सी पकाने में काफी हद तक नष्ट हो जाता है इसलिए हेल्थ कॉन्शियस लोगों के लिए यह बहुत वरदान है और मजे की बात है कि इसमें आप पापड़, चिप्स,टिक्की आदि बहुत कम घी तेल में मिनटों में पका सकते हैं। खाना जल्दी पकने के कारण भोजन से होने वाले रोगों की संभावना कम हो जाती है जिससे आप विषाक्तता से बच जाते हैं। क्योंकि माइक्रोवेव में टाइमर लगे होने के कारण इसमें खाना ना तो कच्चा रहता है और ना ही जरूरत से ज्यादा पकता है दूसरा हिलाने का झंझट खत्म हो जाता है इतनी देर में ग्रहणी कोई अन्य काम कर सकती है तथा पकने पर उसमें से खाना बाहर निकाल सकती है। यह सफाई करने में भी आसान है तथा खाने को गर्म करना इसमें बहुत आसान है खास करके सर्दियों में जब लड्डू,पिन्नी,गुलाब जामुन,गाजर हलवे में घी जम जाता है तब यह उन्हें जल्दी से गर्म करके ग्रहणी का काम आसान कर देता है।इसका सबसे बड़ा फायदा है कि इस के दरवाजे में मेटल शिल्ड तथा मेटल स्क्रीन लगी होती है,जिससे रेडिएशंस बाहर नहीं आ सकती।इसके लाभ के साथ हानियां भी जुड़ी हुई हैं माइक्रोवेव में खाना गरम करने के लिए सिर्फ आप चीनी कांच के बर्तन इस्तेमाल कर सकते हैं बाकी चमकते हुए बर्तन धातुएं तथा प्लास्टिक कंटेनर वर्जित है धातुओं में खाना पकाने से चिंगारी आने का डर होता है तथा प्लास्टिक में खाना बनाने से प्लास्टिक तथा भोजन के बीच में रसायनिक क्रियाएं शुरू हो जाती हैं जोकि स्वास्थ्य के लिए जोखिम का कारण बन सकती हैं।इसमें आप चपाती तथा डीप फ्राइंग कुकिंग नहीं कर सकते क्योंकि इसमें खाने को भूरा करने तथा खस्ता करने की क्षमता नहीं है, इसमें खाने को लंबे समय तक पकाने से खाने की आद्रता कम हो जाती है और समोसा,पकोड़ा आदि आप इसमें नहीं गर्म कर सकते क्योंकि वह सोगी हो जाते हैं। टाइम टू टाइम आप इसको चेक करते रहिए कि इसमें कोई खराबी तो नहीं आ गई या इसका दरवाजा पूरी तरह से बंद हो रहा है,बंद ना होने के कारण इससे रेडिएशन बाहर जाने का खतरा बढ़ जाता है।ध्यान रखें जब भी आप इसमें खाना गर्म करें खाने को पूरा मुंह तक ना भरे ऐसा करने से एक तो खाना कच्चा रहेगा और दूसरा खाने गिरने का छींटे पड़ने का खतरा बना रहेगा। हमको भोजन को बाहर निकालते हुए दस्तानों का अवश्य प्रयोग करना चाहिए नहीं तो गरम भाप हाथ को जला सकती है।कभी भी एयरटाइट ढक्कन वाले बर्तनों में खाना ना पकाएं ऐसा करने से बर्तन के अंदर भाप का प्रेशर बढ़ जाता है जिससे बर्तन के फटने का भय बना रहता है अंत में यही कहना चाहूंगी कि अगर माइक्रोवेव में कम समय में पकाया जाए तथा गरम करने के लिए प्रयोग किया जाए और सावधानियां बढ़ती जाए तो निश्चित रूप से यह बहुत लाभकारी सिद्ध हो सकता है। मुख्य अतिथि अंजू खरबंदा व कुसुम भंडारी ने भी अपने विचार रखे।केंद्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन किया।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका रमा वैद्य, विजय खुल्लर, ईश्वर देवी, कमला हंस, कृष्णा गांधी, रविन्द्र गुप्ता, चन्द्र कांता आर्य, जगदीश कपूर, उषा सूद आदि के मधुर भजन हुए।

सरस्वती शिशु मंदिर में बस्ता व्यवस्था प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

गाजियाबाद। सरस्वती शिशु मंदिर नेहरू नगर में व्यवस्था प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय में छात्रों को पाठ्यचर्या के अंतर्गत समय सारणी के अनुसार पुस्तके लाने का अभ्यास और अपने बस्ते का रखरखाव स्वयं करना इस भाव को प्रेरित करने के लिए बस्ता व्यवस्था प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। इस वर्ष भी विद्यालय में किसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बस्ता व्यवस्था प्रतियोगिता में अविक रावत, लकी, कुशल , आरव वर्मा, कवीश , युवराज नव्या,,राध्या ,आराध्या ,पार्थ शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। यद्यपि सभी छात्र विद्यालय की गाइड लाइन के अनुसार और समय सारणी के अनुसार अपने बस्ते की व्यवस्था ठीक करके लाए थे। किंतु जिन छात्रों के बस्ते का रखरखाव सर्वश्रेष्ठ था ऐसे 27 छात्र-छात्राएं चुने गए। जिनमें10 छात्र प्रथम और 17 छात्र द्वितीय और तृतीय चुने गए।

संजी पालीवाल जी , योगेश शर्मा शिवकुमार शर्मा ,भावना गोयल, राखी शर्मा निर्णायक थे। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रेखा शर्मा ने बताया कि अपने पुस्तकों व वस्तुओं को व्यवस्थित करने का भाव व गुणबच्चे के अंदर आए ।वह अपना बस्ता स्वयं लगा सके तथा आत्मनिर्भर बन सके ।घर के छोटे-छोटे काम कर सके इसी। उद्देश्य की प्राप्ति के लिए बस्ता व्यवस्था प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।

महान देशभक्त योगेंद्र सिंह का पूरे आश्रम परिवार ने जोरदार स्वागत किया

गाजियाबाद। पावन चिंतन धारा आश्रम में देश के वीर योद्धा, कारगिल के नायक एवं परमवीर चक्र विजेता कैप्टेन योगेंद्र सिंह यादव जी का जन्मदिवस मनाया गया, इस अवसर पर कारगिल युद्ध में गोली लगने और हाथ टूटने के बावजूद दुश्मनों से लोहा लेने वाले भारत माँ के वीर सपूत योगेंद्र जी ने अपने जीवन की इस घटना का मार्मिक वृतांत सुनाया कि कैसे मात्र 7 सैनिकों ने पाकिस्तान के 150 सिपाहियों से लड़ाई लड़ी, जब गोली लगने पर भी उन्होंने उफ्फ तक नहीं की और बहुत बुरी तरह से जख्मी होने पर भी ग्रेनेड से दुश्मनों पर हमला कर उनको भगाया तथा टाइगर हिल पर अपने देश का तिरंगा लहराया। इस घटनाक्रम को सुनकर सभागार में उपस्थित सभी सदस्य भावुक हो गए और आँखें नम हो गई। फिर परमपूज्य श्रीगुरु जी ने इस योद्धा के प्रति स्वरचित पंक्तियों से अपने भाव प्रकट किए और युवाओं को ऐसे जीवंत उदाहरणों से लेकर देश के लिए जीने का सन्देश दिया। साथ ही देश-विदेश के जाने-माने कवि श्री योगेंद्र शर्मा जी, श्री राजेश चेतन जी, डॉ. अर्जुन सिसोदिया जी एवं मोहित शौर्य जी ने कविता पाठ के माध्यम से सभी के भीतर देशभक्ति का उत्साह भर दिया। महान देशभक्त का पूरे आश्रम परिवार ने जोरदार स्वागत किया और अपनी-अपनी भेंट देकर जन्मदिवस पर शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर राष्ट्रीय कवि संगम के अध्यक्ष जगदीश मित्तल, राष्ट्रीय सैनिक संस्था के संस्थापक कर्नल(रि.) टी.पी. त्यागी जी, सतत सेवा संस्थान के सचिव श्री चंद्रशेखर जी, आदरणीय गुरु माँ डॉ. कविता अस्थाना सहित दिल्ली, मेरठ, हापुड़, जयपुर आदि शहरों से आए लोग उपस्थित थे।

लोनी में भाजपा विधायक और बसपा प्रत्याशी पति के बीच हुई तू-तू मैं-मैं

लोनी। नगर पालिका का चुनाव कई जगहों पर नोकझोंक के बाद संपन्न हुआ। पुलिस को कई स्थानों पर हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। लोनी इंटर कॉलेज में भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर और बसपा प्रत्याशी पति अरशद अली के बीच तू-तू मैं-मैं हुई। पुलिस के समझाने पर दोनों वापस लौट गए। आठ बजे सुबह विधायक नंदकिशोर गुर्जर लोनी इंटर कॉलेज पहुंचे। इसके कुछ मिनट बाद बसपा प्रत्याशी महरीन के पति अरशद अली समर्थकों के साथ पहुंचे। अरशद अली ने आरोप लगाया कि उनके समर्थकों को वोट नहीं डालने दिया जा रहा है। इस दौरान विधायक भड़क गए और दोनों में बहस होने लगी।

Editorial

Dignity of Majesty

Rebelling against Uddhav Thackeray in Maharashtra, some Shiv Sena MLAs had announced to form a separate party. In this way, the crisis of majority had arisen on Uddhav Thackeray's government. Then the then Governor Bhagat Singh Koshyari had ordered Uddhav Thackeray to prove his majority. There was a lot of political drama then and Thackeray finally resigned from his post instead of presenting a majority. Questions had started to arise on the role of the Governor regarding this. Koshyari administered the oath of office to the BJP chief minister in the midst of a political upheaval when the Shiv Sena had initially decided to form the Maha Vikas Aghadi government in alliance with the Nationalist Congress Party and the Congress instead of the BJP. Due to this, he was accused that he was doing what the Center wanted. The court has also termed his behavior as inappropriate. Similarly, in Delhi, Lieutenant Governor VK Saxena had in a way taken over all the powers of the elected government and was constantly obstructing the administrative work. There was a plea in the Supreme Court for the interpretation of rights on this and now the Constitution Bench has given a decision in favor of the elected government. The tussle between the Lieutenant Governor and the elected government in Delhi was going on from the very beginning. The lieutenant governors who came before VK Saxena also tried to block every decision of the Delhi government. In a way, the authority of the Delhi government was taken away especially regarding the posting and transfer of administrative officers. Even then, about five years ago, this fight for rights had reached the Supreme Court and it had given a verdict that the right of posting and transfer of officers rests with the elected government. But even then the Lieutenant Governor did not take care of his limit. Now the Supreme Court has said that although the Lieutenant Governor has been appointed by the President to look after the administrative work, but it is very important to give power to the elected government.

Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

India clubbed with Australia, Uzbekistan, Syria in AFC Asian Cup 2023 Draw

Doha. India have been drawn in Group B of the AFC Asian Cup Qatar 2023, after the draw ceremony was conducted at the Qatar Opera House, in Doha, Qatar, on Thursday.

The Blue Tigers, who are ranked 101 in the FIFA Rankings, and will be playing the AFC Asian Cup for the fifth time, are set to meet Australia (ranked 29th), Uzbekistan (ranked 74th), and Syria (ranked 90th) in the tournament proper.

AIFF President Kalyan Chaubey, Senior Men's National Team head coach Igor Stimac, and Women's national coach Maymol Rocky were present at the Qatar Opera House for the official draw ceremony.

Beginning from Pot 4, India were the first team to be drawn into Group B, gaining B4, after which they were successively placed alongside Syria (B3), Uzbekistan (B2) and Australia (B1), respectively.

Men's National Team head coach Igor Stimac said after the draw, 'We will be facing Australia, Uzbekistan and Syria in the AFC Asian Cup, and it's going to be a tough battle for us. It's much tougher than four years ago, but we will be there to fight every step of the way.

"It's all about the time we have in front of us to prepare well, to obtain the work that is needed, and to be at the strongest possible point by next January." Speaking ahead of the Official Draw Ceremony, Asian Football Confederation President Shaikh Salman bin Ebrahim Al Khalifa said, "The last time the AFC Asian Cup was played in Qatar was 12 years ago, and there has been great progress since then. We have also initiated key enhancements. There are 24 teams in the AFC Asian Cup now, a new trophy, and $15 million in prize money. The impact is clear to see. On behalf of the Asian football family, I would like to express our gratitude to the QFA and the LOC, and we also thank the 24 participating nations. The stage is now set for a truly memorable chapter in the history of the tournament. We wish all the teams the very best." Maymol Rocky, who was conducting the draw along with other representatives from around Asia, said, "This is the first time that India has qualified for consecutive editions of the AFC Asian Cup, and it's a fantastic opportunity for our country to be back at this stage. I'm sure the team has prepared very well, and hope we can create history by qualifying for the Round of 16." In other groups, tournament hosts and defending champions Qatar are the top seeded team in Group A with their title defence to begin against two-time runners-up China PR, Tajikistan and Lebanon. Three-time winners Islamic Republic of Iran, 1996 runners-up United Arab Emirates, Hong Kong, China and Palestine will vie for the knockout stage spots in Group C while record four-time winners Japan, Indonesia, 2007 champions Iraq and Vietnam were drawn in Group D.

Five teams to battle for three remaining quarter-final spots in Group A in IWL

Ahmedabad. Three places in the knockout stage are still up for grabs on the final day of action in Group A of the 2022-23 Indian Women's League (IWL). While Gokulam Kerala are already confirmed as group toppers, five teams - Sports Odisha, HOPS, East Bengal, Mumbai Knights and Misaka United - are separated by just three points, and will battle for the last three berths. It will be a mountain to climb for IWL debutants Mumbai Knights FC as they take on the mighty Gokulam Kerala FC at the Shahibaug Police Stadium on Friday. The Malabarians have nothing to play for but head coach Anthony Andrews aims to maintain the winning momentum. "Our players are in good form and we have a solid strategy in place. We expect them to come out with everything they've got tomorrow, but we will give our best effort to stave off their challenge and secure our quarter-final spot in style," Andrews said. For Mumbai Knights, a win will guarantee them a place in the quarter-final. A draw will also be enough for Rutuja Gunwant's side if both East Bengal and Misaka United lose their games. Misaka United and Sports Odisha will battle it out in a do-or-die match in the simultaneous kick-off at the TransStadia at 4:30 pm IST. While Sports Odisha are currently in second with 12 points, Misaka are in sixth, but still very much alive in the competition with nine points. For the Bengaluru-based side, only a win will keep their qualification hopes alive. It won't be enough though as they will also need East Bengal and Mumbai Knights to fail to win their respective games.

Head coach Antony Dias reflected on the mood in the dressing room ahead of the crucial game. "Our preparation has been good. We are focused and know how we want to play to get the full three points. The players are motivated and eager to get on to the pitch," he said. The qualification scenario is a bit favourable for Sports Odisha as even a defeat will see them through if East Bengal and Mumbai Knights also don't win.

Nitin's hat-trick helps Teachers Assn XI win cricket tourney

Jammu. Hat-trick loaded Nitin helped Teachers Association XI to lift Ashok Sodhi Memorial Cricket Trophy final played at Maulana Azad Stadium here. They defeated star studded Veterans Cricket Association J&K XI by 27 runs. Batting first after winning the toss, Teachers Association XI was bundled at least total of 80 runs in 16.5 overs. Ajay Raina and Manish Sharma scored 15 runs each from winning side. Rahul Jamwal from Veterans Cricket Association J&K XI clinched four wickets. Chasing the target, Veterans side collapsed at 53 in 11.2 overs. Nitin's hat-trick helped Teachers to take home the Trophy. Deputy Inspector General (DIG), Jammu-Kathua Range, Shakti Pathak was the chief guest on occasion. Flanked by president Press Club of Jammu, Sanjeev Pargal, Secretary General, Dinesh Manhotra, other office bearers and management committee of Press Club of Jammu, the chief guest presented trophies to the winning and runners up teams. Earlier, Brigadier Manpravesh Herr, Commander, 36 Infantry Brigade was the special guest before the match. He interacted with the players and wished them luck for the match. Meanwhile the organisers and the spectators also paid floral tributes to Ashok Sodhi on the occasion. The tournament is being organised by the Press Club of Jammu in collaboration with Jammu and Kashmir Sports Council under 'my Youth My Pride' programme The Press Club of Jammu is organising the tournament as a tribute in memory of senior photojournalist Ashok Sodhi—who had attained martyrdom while performing his professional duties during a fierce encounter between militants and security forces at Samba on May 11, 2008.

15वां केन्द्रीय वित्त आयोग की उच्चस्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक संपन्न

लखनऊ। मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षा में 15वां केन्द्रीय वित्त आयोग की उच्चस्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित हुई। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि पंचायतीराज विभाग द्वारा एक पोर्टल तैयार कराया जाये, जिसमें वित्त आयोग द्वारा आवंटित धनराशि के साथ पूर्ण विवरण दर्ज किया जाये। पोर्टल के माध्यम से आवंटित धनराशि के व्यय की मॉनीटरिंग भी की जाये। पंचायतीराज के राज्य स्तरीय कॉल सेण्टर के माध्यम से ग्राम प्रधानों, ग्राम सचिवों, पंचायत सहायकों से सीधा संवाद कर उनका निराकरण कराया जाये। ग्राम पंचायतों में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए ग्राम पंचायतों में पेयजल परियोजनाओं के आपरेशन एवं मेन्टनेन्स कार्य हेतु सम्बन्धित कर्मियों का आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण कराया जाये।

बैठक में बताया गया कि 91,254 राजस्व ग्रामों में टाईड ग्राण्ट से कार्य कराकर ओ0डी0एफ0 श्रेणी में मार्क कराया गया है। प्रदेश की 57,708 ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालय की स्थापना करायी जा चुकी है। ग्राम सचिवालयों के संचालन हेतु फर्नीचर, कम्प्यूटर, प्रिण्टर, इण्टरनेट आदि की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है।

पंचायतों से सीधे संवाद स्थापित किये जाने एवं सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान किये जाने के उद्देश्य से यू0पी0डेस्को के माध्यम से राज्य स्तर पर 10 सीटर कॉल सेण्टर स्थापित किया गया है। ग्राम पंचायतों में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित कराने एवं जल जीवन मिशन के अंतर्गत नवीन/रेट्रोफिट पाईप पेयजल योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हैण्डओवर कराने में तकनीकी सहयोग प्रदान करने के लिये राज्य स्तर पर ग्रामीण जलापूर्ति प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। यह प्रकोष्ठ पंचायतों को ऑपरेशन एवं मेन्टेनेन्स कार्य में भी सहयोग प्रदान कर रहा है। अब तक 18 पेयजल परियोजनायें ऑनलाईन विधि से हैण्डओवर हो चुकी हैं, शेष प्रक्रियाधीन है।

ग्राम सचिवालयों को सक्रिय किये जाने तथा ग्राम पंचायतों को ऑनलाइन कार्यों में सक्षम बनाने के उद्देश्य से पंचायती राज विभाग के अंतर्गत ग्राम पंचायतों को भेजी जाने वाली समस्त धनराशि का भुगतान ग्राम सचिवालय में स्थापित कम्प्यूटर से ही कराया जा रहा है। भुगतान का अनुश्रवण पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है। ग्राम सचिवालय में स्थापित डेस्कटाप कम्प्यूटर अथवा ऐप के माध्यम से पंचायत सहायक/एकाउन्टेण्ट कम डाटा इंट्री आपरेटर का जियो फेंस्ड फेस रिकॉगनेशन आधारित ऑनलाइन अटेंडेंस सिस्टम के माध्यम से उपस्थिति सुनिश्चित करायी जा रही है।

भारत सरकार द्वारा दिये गये निदेशों के क्रम में प्रदेश के समस्त पंचायतों को आडिट ऑनलाइन पोर्टल पर रजिस्टर करा दिया गया है। प्रदेश में ऑडिट विभाग के द्वारा 3,72,830 ऑब्जेरवेशन रिकॉर्ड किए गए हैं। कुल 58,189 ग्राम पंचायत के सापेक्ष 57,675 ग्राम पंचायतों का ऑडिट प्लान तैयार कर लिए गए हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव पंचायतीराज श्री मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव नगर विकास श्री अमृत अभिजात, राहत आयुक्त श्री प्रभु नारायण सिंह सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

13 यूपी कन्या वाहिनी एनसीसी का 10 दिवसीय शिविर का समापन

गाजियाबाद। 13 यूपी कन्या वाहिनी एनसीसी द्वारा चलाए गए 10 दिवसीय एनसीसी शिविर का आज समापन समारोह बहुत ही उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। शिविर के दौरान एनसीसी कैडेट्स को हथियार, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट एंड बैटल क्राफ्ट,लीडरशिप, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, हेल्थ एंड हाइजीन आदि विषयों का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर के दौरान एनडीआरएफ 8 बटालियन गाजियाबाद द्वारा आपदा से बचाव के बहुत ही महत्वपूर्ण और उपयोगी तरीके बताए गए। इसके साथ ही मिसेज वंदना रस्तोगी के द्वारा कैडेटों को किशोरावस्था के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। शिविर में वृक्षारोपण और पानी बचाओ से संबंधित जागरूकता रैली भी निकाली गई। सभी स्कूलों और कॉलेजों से आए कैडेटों ने बहुत ही मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इस शिविर के दौरान बहुत सी प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया जिसमें विजेता कैडेटों को कैंप कमांडेंट कर्नल कुश वीर नंदा ने मेडल और ट्रॉफी देकर उनका उत्साहवर्धन किया। कैंप कमांडेंट ने सभी कैडेटों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा उनके अनुशासन की सराहना करते हुए उन्हें भावी जीवन की शुभकामनाएं दी। शिविर के समापन समारोह में ऑफिसर स्टाफ और सभी कैडेट उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को कचरा निस्तारण की पढ़ाई कराने हेतु नगर आयुक्त ने विद्यालयों के प्रबंधकों/ प्रधानाचार्य से की बैठक

गाजियाबाद। शहर की स्वच्छता को बेहतर करने हेतु गाजियाबाद के नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ द्वारा गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत आने वाले स्कूलों के प्रबंधकों तथा प्रधानाचार्य से विशेष बैठक की गई है, बैठक में लगभग 24 विद्यालयों ने हिस्सा लिया जिसमें गाजियाबाद नगर निगम के स्कूल सहित अन्य प्राइवेट तथा संस्थाओं के स्कूल के प्रबंधक उपस्थित रहे, स्वच्छता सर्वेक्षण के विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिथिलेश द्वारा बताया गया कि नगर आयुक्त महोदय के निदेर्शानुसार सभी स्कूलों में स्वच्छता का पाठ पढ़ाई जाने हेतु पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है जिस के क्रम में ही विद्यार्थियों को कचरा निस्तारण की पढ़ाई कराई जाएगी जिसमें गीला कचरा अलग सूखा कचरा अलग रखने के लिए पाठ्यक्रम तैयार हो रहा है साथ ही किस प्रकार कचरे का

निस्तारण किया जाना है इसको भी पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाएगा नगर आयुक्त महोदय के कुशल नेतृत्व में विद्यार्थियों के माध्यम से शहर को स्वच्छता की ओर ले जाने का कार्य किया जा रहा है जिसमें स्कूलों में कचरा निस्तारण को लेकर प्रतियोगिताएं रखी जाए निर्देशित किया गया है। अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों के साथ-साथ शहर निवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करने की तैयारी भी चल रही है गाजियाबाद नगर निगम स्कूल के विद्यार्थियों के माध्यम से स्वच्छता की लहर शहर में चलाएगा जिसमें विद्यार्थियों को समर वेकेशन के दौरान होमवर्क के रूप में भी कचरा निस्तारण संबंधित कार्य दिए जाने हेतु स्कूल प्रबंधकों को अवगत कराया गया है, 14 मई 2023 को आरडीसी फ्लाईओवर पर वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी जिसमें विद्यालयों के इच्छुक विद्यार्थी हिस्सा लेंगे और कचरा निस्तारण हेतु वॉल पेंटिंग करेंगे इसके लिए सभी संबंधित स्कूलों से संपर्क किया जा रहा है।

एचआरआईटी ग्रुप के प्रांगण में हुआ सेमिनार का आयोजन

गाजियाबाद। एचआरआईटी ग्रुप के प्रांगण में इलेक्ट्रिकल एव इलेक्ट्रोनिक्स डिपार्टमेंट ने सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ मुख्य अतिथि मोहम्मद जफर अली, डायरेक्टर एंड ट्रेनर, एव गुलशन मौर्या ट्रेनर, ऐ आर इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा, अंजुल अग्रवाल वाईस चेयरमैन, डा. वीके जैन महानिदेशक, डा. एनके शर्मा ग्रुप डायरेक्टर, डा हरीश तलुजा डीन एकेडेमिक, श्रीमती श्रद्धा सूद, पुष्पेंद्र शर्मा ने सयुक्त रूप से दीप प्रज्वल्लित करके किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मोहम्मद जफर अली ने इंडस्ट्रीज में ऑटोमेशन के महत्त्व को विस्तार से बताया। एवपीएलसी, स्कोडा जैसे कंट्रोलर्स की जानकारी दी एवं इंडस्ट्रीज में उसका महत्त्व एवं उपयोगिता बतायी। वाईस चेयरमैन अंजुल अग्रवाल ने बताया की छात्रों को इंजीनियरिंग में प्रैक्टिकल एक्सपेरिमेंट्स का बहुत महत्त्व है और छात्रों को मन लगाकर पढ़ना चाहिए डा वी के जैन और डॉ एन के शर्मा ने छात्रों को के साथ एजुकेशन इंजीनियरिंग में ऑटोमेशन अहमियत के बारे में बताया श्रीमती श्रद्धा सूद ने वोट ऑफ थेंक्स दिया क कार्यक्रम का संचालन मिस वरीशा मिराज, रंजना शर्मा ने किया।

मजहबी जिहाद का इतिहास इतना भयावह तो भविष्य कैसा होगा: दिव्य अग्रवाल

गाजियाबाद। एक समय था जब सत्यता को उजागर करना भी अपराध की श्रेणी में आता था आज जब सत्यता समाज तक पहुँच रही है तो उससे से समाज सीख क्या रहा है ये बड़ा प्रश्न है।पिछले दिनों कश्मीर फाइल लोगो ने देखी अब केरल स्टोरी भी देखी जा रही है परन्तु सभ्य समाज मजहबी जिहाद के आतंक को देखकर अपनी जीवन शैली में क्या परिवर्तन ला रहा है आंकलन इसका भी होना चाहिए। कश्मीर फाइल में हिन्दुओ के नरसंघार की वीभत्स घटना को पुरे विश्व ने देखा अब केरल स्टोरी के माध्यम से लव जिहाद का नंगा षड्यंत्र भी दुनिया तक पहुंचाया जा रहा है परन्तु इन मजहबी अपराधों का कारण क्या , इस मजहबी जिहाद की उपज क्या ०इन सबको रोकने का मार्ग क्या इन सब पर मानवतावादियों को विचार करना होगा ।

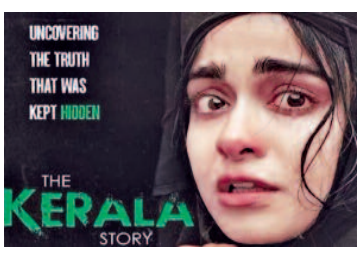

सरकार कितनी ही राष्ट्रवादी कयों न हो कुछ समस्याओ का उपाय जनता को स्वयं निकालना पड़ता है आज की पीढ़ी यह सब जान पा रही है इसका श्रेय मोदी सरकार को मिलना चाहिए अन्यथा पूर्व की सरकारें तो न इन घटनाओ को उजागर होने देती थी अपितु मजहबी वोट बैंक के चलते इन घटनाओ पर मौन धारण करते हुआ मूक दर्शक बनकर सब कुछ होने देती थी। अभी तो ये फाइल मजहबी आतंक के छोटे छोटे प्रमाण हैं यदि इस आतंक की सभी घटनाओ की सत्यता सभ्य समाज तक पहुंचे तो मानवता को भी स्वयं के ऊपर शर्मशार होना पड़ेगा।

अतः ये फाइल मात्र मनोरंजन या समय व्यतीत करने हेतु नहीं अपितु इसका आंकलन करने हेतु हैं की इन परिस्थितयो में मानवता का अग्रिम भविष्य क्या है ०इस मजहबी जिहाद के आतंक को रोकने हेतु सभ्य समाज के पास क्या साधन है।

नसों में जम गया है गंदा कोलेस्ट्रॉल तो अपनाएं आयुर्वेदिक तरीका, ऐसे साफ हो जाएगी गंदगी

हाई कोलेस्ट्रॉल होने से हमारे शरीर की नसों में गंदगी जमा होने लगती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स ने बताया कि हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए आयुर्वेद का सहारा लेना चाहिए। क्योंकि एलोपैथी दवाओं के लंबे समय तक सेवन किए जाना नुकसानदायक हो सकता है

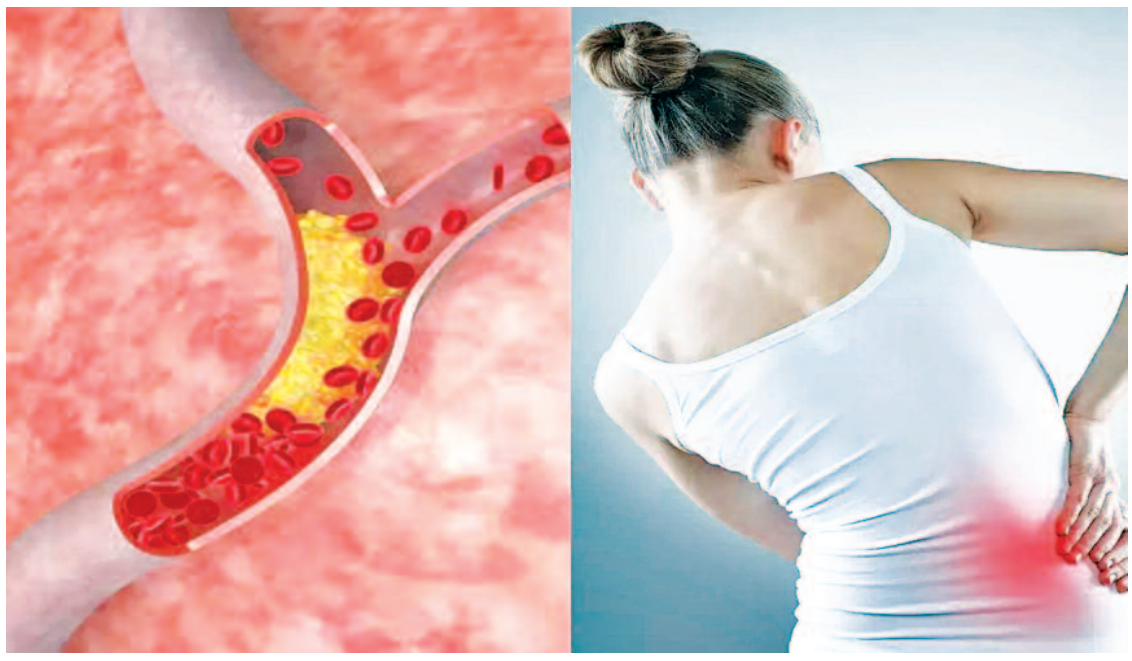

अनन्या मिश्रा

एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का बढ़ता लेवल हमारे दिल और दिमाग के लिए घातक हो सकता है। जब यह गंदगी नसों में जम जाती है तो यह खून के संचार को रोक देती है। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए कई लोग एलोपैथी दवा का सहारा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन दवाओं का लंबे समय तक सेवन किए जाने से यह आपकी नसों को नुकसान पहुंचा सकता है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो हाई कोलेस्ट्रॉल मैनेज करने वाली दवाओं के लंबे सेवन से कई बार गंभीर समस्या पैदा हो जाती है। नसों में कमजोरी आने के साथ ही उनमें सुन्नपन आ जाता है। इसलिए हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए आयुर्वेदिक तरीका अपना सकते हैं। आइए जानते हैं इस बारे में हेल्थ एक्सपर्ट्स का क्या कहना है।

ऐसे मैनेज करें कोलेस्ट्रॉल

आयुर्वेदिक डॉक्टर के अनुसार, हाई कोलेस्ट्रॉल कोई बीमारी नहीं है। बल्कि यह एक तरह का संकेत होता है कि आपको शरीर के अंदर कोई बड़ी समस्या जन्म ले रही है। डॉक्टर ने बताया कि इसको मैनेज करने के लिए व्यक्ति 2-3 महीने तक आयुर्वेदिक दिनचर्या और डाइट अपना सकता है। इससे ट्राइग्लिसराइड और एलडीएल के लेवल को कंट्रोल किया जा सकता है।

इन फूड्स का करें सेवन

आयुर्वेदिक डॉक्टर ने बताया कि यह एक तरह की अफवाह है कि फैट कोलेस्ट्रॉल बढ़ाता है। उन्होंने बताया कि हमारे खाने से केवल 8 फीसदी कोलेस्ट्रॉल बनता है। वहीं 92% कोलेस्ट्रॉल का निर्माण और प्रोसेस्ड प्रक्रिया हमारी लिवर और आंत करती है।

हेल्दी एचडीएल फैट

खाने को तोड़ने में सहायक

पाचन मजबूत करने में सहायक

पेट, लिवर और आंत में पाचन क्रिया को आसान करने का काम करता है।

आयुर्वेदिक तरीके से करें मैनेज

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की मुख्य वजह प्रोसेस्ड फूड होते हैं। इसलिए आपको प्रोसेस्ड फूड का सेवन करने से बचना चाहिए।

इन टिप्स की लें मदद

अपनी डाइट ले अधिक मसालेदार खाने और खट्टे फलों को दूर रखें। रोजाना कम से कम 30 मिनट की वॉक जरूर करें। जितना हो सके उतना खुश रहने का प्रयास करें और तनाव कम लें।

ऑफिस जाने वाली महिलाएं फॉलो करें ये स्किन केयर रूटीन, खिली-खिली रहेगी त्वचा

गर्मी के मौसम में स्किन को खास देखभाल की जरूरत होती है। वहीं ऑफिस जाने वाली महिलाओं को अपनी स्किन का खास ख्याल रखना होता है। ऐसे में अगर आप भी वर्किंग वूमेन हैं तो इन स्किन केयर रूटीन को फॉलो कर सकती हैं।

अनन्या मिश्रा

गर्मी में त्वचा की खास देखभाल की जरूरत होती है। वहीं जो वर्किंग वूमेन को अपनी स्किन का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। क्योंकि सूरज की हानिकारक किरणों, गर्म हवाओं से हमारी स्किन को काफी नुकसान पहुंचता है। जिसके कारण हमारी त्वचा डैमेज होने लगती है। वहीं गर्मी के मौसम में फोड़े-फुंसी और एक्ने की भी समस्या होने लगती है। ऐसे में अगर आप भी ऑफिस जाती हैं तो स्किन को ग्लोइंग बनाए रखने के लिए त्वचा की सही देखभाल करनी बहुत जरूरी है। इसलिए आप एक प्रॉपर स्किन केयर रूटीन फॉलो कर सकती हैं।

मेकअप रिमूव करें

अगर आप भी ऑफिस जाने के दौरान मेकअप करती हैं। तो घर आने के बाद सबसे पहले अपने मेकअप को रिमूव करना न भूलें। मेकअप रिमूव करने के लिए आप मेकअप रिमूवर या क्लींजर का इस्तेमाल कर सकती हैं। नारियल का तेल मेकअप रिमूव करने के लिए एक बेहतरीन उपाय हो सकता है। इससे चेहरे पर जमा मेकअप और गंदगी आसानी से साफ हो जाती है। आपको बता दें कि मेकअप रिमूव करने से

स्किन के पोर्स खुल जाते हैं। आप चाहें तो गुलाब जल, ग्रीन टी या एलोवेरा से अपनी स्किन की क्लींजिंग कर सकती हैं।

फेशवॉश से साफ करें चेहरा

भले ही आप रोज मेकअप रोज रिमूव करती हैं या क्लींजिंग करती हैं। लेकिन इसके बाद भी फेस वॉश से चेहरे को धोना जरूरी होता है। इससे आपकी स्किन की डीप क्लीनिंग होती है। फेशवॉश से चेहरा धोने से एक्सट्रा ऑयल निकल जाता है। फेसवॉश के लिए आप माइल्ड फेसवॉश का इस्तेमाल कर सकती हैं।

टोनर लगाना न भूलें

ऑफिस से घर आने के दौरान धूप, धूल-मिट्टी के कारण स्किन का पीएच लेवल बिगड़ जाता है। इसलिए फेस धोने के बाद टोनर अप्लाई करना न भूलें। बता दें कि टोनर त्वचा के पीएच लेवल को बैलेंस करने का काम करता है। इसके साथ ही स्किन को हाइड्रेट करने का काम करता है। इसके लिए आप हाइड्रेटिंग टोनर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ओपन पोर्स को कम करने में भी टोनर मददगार होता है। बेहतरीन नैचुरल टोनर के तौर पर आप गुलाबजल का भी यूज कर सकती हैं।

सीरम भी करें अप्लाई

ऑफिस से घर आने के बाद आपको अपनी स्किन पर सीरम भी अप्लाई करना चाहिए। इसलिए आप अपनी स्किन के हिसाब से सीरम चुन सकती हैं। इसके लिए एंटी एजिंग सीरम, विटामिन सी सीरम का यूज कर सकती हैं।

नाइट क्रीम जरूर करें अप्लाई

ज्यादातर लोग ऑफिस से रात में 8,9 या 10 बजे के आसपास घर पहुंचते हैं। इसलिए टोनर लगाने के बाद स्किन पर नाइट क्रीम जरूर अप्लाई करनी चाहिए। नाइट क्रीम स्किन सेल्स को बनाने के साथ ही स्किन को हाईड्रेट करने का काम करता है। नाइट क्रीम त्वचा में हाइड्रेटिंग के साथ नमी बनाए रखने में मदद करती है। हालांकि स्किन टाइप का ध्यान रखते हुए ही नाइट क्रीम का इस्तेमाल करना चाहिए।

आंखों का भी रखें ख्याल

पूरा दिन काम करने के दौरान आपकी आंखें भी थक जाती हैं। ऐसे में आंखों का भी ध्यान रखना जरूरी होता है। इसके लिए आप आंखों के नीचे नारियल तेल, गुलाब जल, बादाम का तेल आदि अप्लाई कर सकती हैं। कई बार अधिक बोझ पड़ने पर डार्क सर्कल हो जाते हैं। इसके लिए आप आंखों पर खीरे के स्लाइस भी रख सकती हैं। इससे आंखों को ठंडक मिलने के साथ ही डार्क सर्कल से भी छुटकारा मिलेगा।

होंठों को हाइड्रेट करें

त्वचा, आंखों के साथ ही होंठों को हाइड्रेट रखना भी जरूरी होता है। धूप की वजह से होंठ अकसर सूखे और बेजान नजर आने लगते हैं। ऐसे में ऑफिस से घर आने के बाद होंठों पर भी कोई हाइड्रेटिंग क्रीम जरूर अप्लाई करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला, सुप्रीम कोर्ट के पास ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार, LG को माननी चाहिए सरकार की सलाह

दिल्ली। दिल्ली का असली बॉस कौन, इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने दिल्ली और केंद्र सरकारों के बीच सेवा विवाद के मामले में सर्वसम्मति से फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण के लिए दिल्ली सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया और माना कि नौकरशाहों पर उसका नियंत्रण होना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस और भूमि को छोड़कर सेवाओं पर विधायी शक्ति है।

फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र, संघीय ढांचा संविधान की मूलभूत संरचना का हिस्सा हैं। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा कि न्यायाधीश अशोक भूषण के 2019 के फैसले से सहमति नहीं है कि दिल्ली के पास सेवाओं पर कोई अधिकार नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि राज्यों के पास भी शक्ति है लेकिन राज्य की कार्यकारी शक्ति संघ के मौजूदा कानून के अधीन है। यह सुनिश्चित करना होगा कि राज्यों का शासन संघ द्वारा अपने हाथ में न ले लिया जाए।

सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि सेवाओं पर नियंत्रण सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस और भूमि से संबंधित प्रविष्टियों तक नहीं होगा। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार अन्य राज्यों की तरह प्रतिनिधि रूप का प्रतिनिधित्व करती है और संघ की शक्ति का कोई और विस्तार संवैधानिक योजना के विपरीत होगा। न्यायालय ने कहा कि निर्वाचित सरकार का प्रशासन पर नियंत्रण जरूरी है। सेवाओं को लेकर दिल्ली सरकार के पास विधायी और कार्यकारी शक्तियां हैं। सर्वोच्च न्यायालय का मानना है कि यदि प्रशासनिक सेवाओं को विधायी और कार्यकारी डोमेन से बाहर रखा जाता है, तो मंत्रियों को उन सिविल सेवकों को नियंत्रित करने से बाहर रखा जाएगा जिन्हें कार्यकारी निर्णयों को लागू करना है।

सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि दिल्ली सरकार दिल्ली के मतदाताओं द्वारा चुनी गई है और प्रतिनिधि लोकतंत्र के आगे के उद्देश्य के लिए इसकी व्याख्या की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि सरकार के लोकतांत्रिक रूप में, प्रशासन की वास्तविक शक्ति निर्वाचित सरकार के पास होनी चाहिए। यदि लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार को अधिकारियों को नियंत्रित करने की शक्ति नहीं दी जाती है, तो जवाबदेही की तिहरी श्रृंखला का सिद्धांत बेमानी हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि अगर अधिकारी मंत्रियों को रिपोर्ट करना बंद कर देते हैं या उनके निदेशों का पालन नहीं करते हैं, तो सामूहिक जिम्मेदारी का सिद्धांत प्रभावित होता है। अधिकारियों को लगता है कि वे सरकार के नियंत्रण से अछूते हैं, जो जवाबदेही को कम करेगा और शासन को प्रभावित करेगा।

भाजपा नेता को टशन में गाड़ी से उतरता देख बौखलाए समाजवादी विधायक, थाने में जमकर चले लात-घूंसे

अमेठी। लगता है उत्तर प्रदेश में विपक्षी नेताओं का स्तर सड़कों पर लड़ाई करने की स्थिति में आ गया हैं। सोशल मीडिया पर समाजवादी पार्टी के विधायक का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह बीजेपी नेता रश्मि सिंह के पति के साथ लात-घूंसों के साथ लड़ाई करते नजर आ रहे हैं।

कई दिनों से यूपी के एक थाने में धरने पर बैठे समाजवादी पार्टी के नेता का गुस्सा उस समय उफान पर देखा गया जब थाने के अंदर पुलिसवालों के सामने ही उन्होंने दूसरे भाजपा नेता रश्मि सिंह के पति को जमकर पीटा। नेता जी तो पुलिस रोकने का काम करती रही लेकिन वह तब भी नहीं मानें। उन्होंने ड्रामे को और बढ़ाया और पुलिस की पिस्टल लेकर खुद को मारने की धमकी देने लगे। आखिर पूरा मामला क्या हैं आइये आपको बताते हैं।

उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के गौरीगंज थाने के अंदर समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक राकेश सिंह और उनके साथियों ने नगर पालिका अध्यक्ष पद की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार रश्मि सिंह के पति के साथ बुधवार को मारपीट की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. इला मारन ने बताया, 'गौरीगंज से सपा विधायक राकेश सिंह मंगलवार से ही थाने के पास धरने पर बैठे थे। इस बीच, बुधवार को दूसरे पक्ष के कुछ लोग गाड़ी लेकर थाने आ गए, जिसके बाद दोनों पक्षों में हाथापाई हो गई।' मारन के मुताबिक, हाथापाई में दोनों पक्षों के कुछ लोगों को चोटें लगी हैं और उनका इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

वायरल वीडियो में सपा विधायक राकेश सिंह और उनके साथी गौरीगंज थाना परिसर के अंदर नगर पालिका अध्यक्ष पद की भाजपा उम्मीदवार रश्मि सिंह के पति दीपक सिंह की पिटाई करते नजर आ रहे हैं। दीपक सिंह ने इस घटना के बारे में संवाददाताओं को बताया कि वह अपने किसी शुभचिंतक से मिलकर लौट रहे थे, तभी थाने के पास विधायक राकेश सिंह के समर्थकों ने जान से मारने की नियत से उन पर पथराव किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक के भाई उमेश सिंह ने अपने साथियों को उनकी हत्या करने के लिए उकसाया और वह जब जान बचाने के लिए थाने के अंदर गए, तो विधायक ने उनके साथ मारपीट की।

दीपक सिंह ने कहा कि सपा विधायक ने उनके साथ ऐसी हरकत की, बावजूद इसके उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अमेठी की सांसद स्मृति ईरानी से गुजारिश करते हैं कि सपा विधायक राकेश सिंह और उनके साथियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

थाने के अंदर मारपीट होने के बारे में पुलिस अधीक्षक ने कहा, 'दोनों ही पक्ष अचानक आमने-सामने आ गए। इससे पहले कि पुलिस बल कुछ करता, दोनों के बीच हाथापाई हो गई। हालांकि, पुलिस ने तुरंत स्थिति पर काबू पाया। जिस किसी की भी गलती है, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'

मरीजों के इलाज में नहीं होगी देरी, देश में पहली बार ड्रोन से ब्लड की हुई डिलिवरी

दिल्ली। ड्रोन की उपयोगिता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। इन सब के बीच एक और अच्छी खबर है। दरअसल, भारत में अब ड्रोन के जरिये ब्लड की डिलिवरी संभव हो सकेगी। इसको लेकर एक ट्रायल हुआ। ट्रायल के बाद इसपर मुहर भी लगी है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, देश में पहली बार, ड्रोन ने बुधवार को दिल्ली में रक्त की थैलियां पहुंचाईं। एएनआई ने ऐतिहासिक डिलीवरी के दृश्यों को साझा करते हुए लिखा, भारत में पहली बार, परिवहन के पारंपरिक तरीके की तुलना में ड्रोन द्वारा वितरित रक्त बैग का ट्रांस्पोटेशन किया गया। इसे **'i-DRONE'** नाम दिया गया है। इसका उपयोग पहली बार भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (क्ढटफ) द्वारा दूरदराज के क्षेत्रों में कोरोना महामारी के दौरान टीकों के वितरण के लिए किया गया था। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद

के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने बताया कि इस **'i-DRONE'** का उपयोग पहली बार क्ढटफ द्वारा उडश्क्ळ19 महामारी के दौरान अगम्य क्षेत्रों में टीके वितरित करने के लिए किया गया था। आज हम रक्त और रक्त से संबंधित उत्पादों का परिवहन कर रहे हैं, जिन्हें कम तापमान पर रखा जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रयोग के बाद, हमने पाया कि न केवल हम तापमान को बनाए रख सकते हैं, बल्कि परिवहन किए गए उत्पादों को भी कोई नुकसान नहीं हुआ। हमने एंबुलेंस के माध्यम से एक और नमूना भेजा और अगर दो तरीकों का उपयोग करके भेजे गए नमूनों में कोई अंतर नहीं है, तो इस ड्रोन का उपयोग पूरे भारत में किया जाएगा।

रक्त घटकों को उपयुक्त तापमान स्थितियों, सुरक्षा और स्वच्छता के तहत ले जाने की आवश्यकता होती है। सुरक्षित प्रसव के लिए थर्मल इन्सुलेशन आवेषण के साथ मान्य रक्त परिवहन बक्से का उपयोग किया जाता है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है कि भारत में चिकित्सा उद्देश्यों के लिए ड्रोन तैनात किए गए हैं। 2022 में, दिल्ली स्थित एक डायग्नोस्टिक्स कंपनी ने ड्रोन का उपयोग करके अस्पतालों से रक्त के नमूने एकत्र करने और टर्नअराउंड समय में कटौती करने और तेजी से परीक्षण के परिणाम प्रदान करने के लिए एक प्रयोगशाला में वितरित करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया।

Pakistan के बिगड़े हालात का Kashmir में होने वाली G-20 की बैठक पर ना पड़े असर, इसके लिए तीनों सेनाओं ने कसी कमर

दिल्ली। कश्मीर में होने वाली जी-20 की बैठक को पाकिस्तान की शह पर आतंकवादियों की ओर से बाधित किये जाने की आशंका को देखते हुए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त तो किये ही जा रहे हैं साथ ही साफ-सफाई और साज-सज्जा का काम भी तेजी के साथ चल रहा है। हम आपको बता दें कि जी-20 पर्यटन समूह की बैठक श्रीनगर में 22 से 24 मई तक डल झील के तट पर स्थित शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में होने वाली है। इस बैठक के मद्देनजर झील में सफाई अभियान भी जोर-शोर से चल रहा है। वहीं जहां तक सुरक्षा के हालात की बात है तो उसकी समीक्षा करने खुद केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला और गुप्तचर ब्यूरो (आईबी) के

निदेशक तपन डेका श्रीनगर आये हैं। दोनों अधिकारियों ने जी-20 बैठक को लेकर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा के लिए कश्मीर का दौरा किया। एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जी-20 बैठक के लिए सुरक्षा तैयारियों से जुड़े हर पहलू का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान में बिगड़े हालात के मद्देनजर सीमाई क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। सूत्रों ने कहा कि जी-20 बैठक की सुरक्षा मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में गृह सचिव भल्ला और आईबी निदेशक डेका ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन, पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की तथा सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। हम आपको यह भी बता दें कि बैठक के हिस्से के रूप में जी-20 प्रतिनिधियों के गुलमर्ग और श्रीनगर के अलावा कुछ अन्य पर्यटन स्थलों का दौरा करने की उम्मीद है। इसलिए इन स्थलों पर भी सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये जा रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि हाल में राजौरी और पुंछ में हुए दो बड़े आतंकी हमलों ने स्पष्ट संकेत दिया है कि राष्ट्र के प्रति शत्रुता रखने वाले तत्व आगामी जी-20 बैठक को बाधित करने का प्रयास कर सकते हैं।

दो लॉटरी में 5309 में से 1828 बच्चों को मिले दाखिले

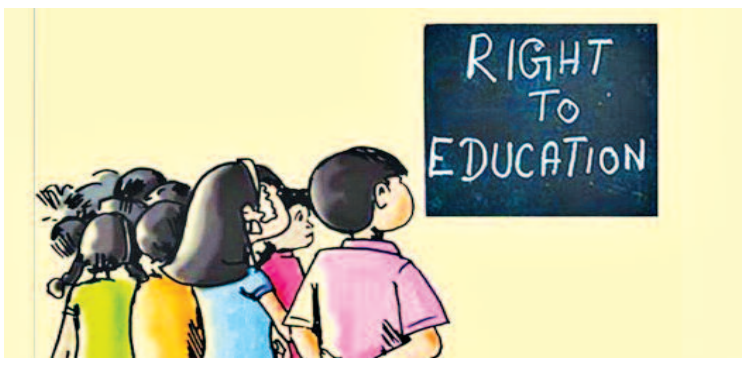

गाजियाबाद। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) में दो चरण की लॉटरी में शासन स्तर से पात्र 5309 में से कुल 1828 बच्चों को ही दाखिला मिल सका है। स्कूलों की मनमानी के कारण 3481 बच्चों का प्रवेश अब तक नहीं हो पाया है। पहले चरण की लॉटरी में एक माह से अधिक चली दाखिला प्रक्रिया में 3606 पात्र बच्चों में से केवल 1712 बच्चों को प्रवेश मिल सका है। पहली लॉटरी में 1894 बच्चों के अभिभावक दाखिले के लिए स्कूलों और विभागीय अधिकारियों के चक्कर काटने को विवश हैं। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से स्कूल आवंटन पत्र जारी करने के बावजूद तमाम स्कूलों ने बच्चों को प्रवेश देने से इन्कार कर दिया है। अभिभावकों की ओर से बीएसए कार्यालय में की गई लिखित शिकायत में कहा गया है कि उन्हें प्रवेश देना तो दूर, स्कूल वाले विद्यालय परिसर में प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं। अभिभावकों की ओर से किए गए धरना प्रदर्शन का कोई नतीजा नहीं निकला है। बीएसए विनोद कुमार मिश्र का कहना है कि 15 मई के बाद टीमों का गठन कर पात्र बच्चों के स्कूलों में प्रवेश कराए जाएंगे। आदेश न मानने वाले स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी।

दूसरे चरण में 1587 बच्चों को नहीं मिले दाखिले

आरटीई सत्र 2023-24 के दूसरे चरण की लॉटरी 20 अप्रैल को जारी की गई। फिर बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से अभिभावकों को 28 अप्रैल से स्कूल आवंटन-पत्र का वितरण किया गया। स्कूल आवंटन पत्र को बांटे हुए 10 दिन से ज्यादा समय बीत चुका है, लेकिन अब तक दूसरी लॉटरी के पात्र 1703 में से पात्र 1587 बच्चों को दाखिले नहीं मिले हैं। दूसरी लॉटरी में से अब तक सिर्फ 116 अभिभावकों को दाखिले मिले हैं।

परेशानी, 15 मई के बाद होने लगेंगी छुट्टियां

बेसिक शिक्षा विभाग सहित पूरा प्रशासनिक अमला इस वक्त निकाय चुनाव को कराने में जुटा हुआ है। आरटीई दाखिलों में हो रही देरी का खामियाजा अभिभावकों को भुगतना होगा। आरटीई में दूसरा चरण तो दूर पहले चरण के भी दाखिले नहीं हुए हैं। 15 मई के बाद स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियां होने लगेंगी। विभागीय स्तर पर चुनाव बाद 15 मई से दाखिले कराने की बात कही गई है। ऐसे में अभिभावकों को गर्मियों की छुट्टियां होते ही दाखिले खटाई में पड़ने की चिंता सताने लगी है।

बेटी से दुष्कर्म करने वाले पिता को उम्रकैद की सजा

गाजियाबाद। मोदीनगर थाना क्षेत्र में बेटी से दुष्कर्म करने वाले पिता को विशेष न्यायाधीश पाक्सो कोर्ट तृतीय तेंद्रपाल सिंह की अदालत ने बुधवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही अदालत ने दोषी पिता पर 56 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जिसमें से 50 प्रतिशत रकम पीड़िता को दिए जाने के आदेश दिए हैं।

विशेष लोक अभियोजक उत्कर्ष वत्स ने बताया कि मोदीनगर क्षेत्र निवासी किशोरी ने तीन जनवरी 2020 को अपनी मां को बताया कि उनके घर के बाहर जाने पर पिता उसके साथ दुष्कर्म करते हैं। 15 दिन से वह जान से मारने की धमकी देकर ऐसा कर रहे थे। किशोरी की मां ने तीन जनवरी को ही मोदीनगर थाने में केस दर्ज कराया था। पुलिस ने आरोपी पिता को जेल भेज दिया। सुनवाई के दौरान मामले में कुल सात लोगों की गवाही हुई। बचाव पक्ष ने बचाव के लिए दलील दी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने दोषी पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

सजा पर सुनवाई के दौरान दी गई दलील में विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि, घटना बेहद गंभीर प्रवृत्ति की है। बेटी पिता को नायक के रूप में देखती है। बेटियां पिता के लिए समाज से लड़ जाती हैं। बेटी से दुष्कर्म करने वाले पिता को कड़ी सजा दी जाए। अगर दोषी पिता को कम सजा मिलती है या छोड़ दिया जाता है तो यह समाज के लिए घातक होगा और गलत संदेश जाएगा।

फर्जी आधार बनाकर वोट डलवाने का आरोप, पुलिस ने चार पकड़े

साहिबाबाद। कोतवाली पुलिस ने नगर निकाय चुनाव में फर्जी आधार कार्ड बनाकर वोट डलवाने के आरोप में एक आरोपी को पकड़ा है। लोगों ने युवक के खिलाफ पुलिस को शिकायत देकर आरोपी पर कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि पुलिस में शिकायत करने पर दो पक्षों के बीच मारपीट भी हुई। पुलिस ने आरोपी को पकड़कर जांच शुरू कर दी। दोनों पक्षों के लोगों का मेडिकल भी हुआ है। वहीं, खोड़ा पुलिस ने एक राजनैतिक पार्टी के प्रत्याशी के भाई समेत तीन युवकों को घर में फर्जी आधार कार्ड बनवाते दबोचा है। खोड़ा पुलिस को निकाय चुनाव के बीच सूचना मिली कि साधना एंक्लेव के एक घर में फर्जी आधार कार्ड बनाकर वोट डलवाने का गलत काम हो रहा है। पुलिस ने पूरी टीम के साथ दबिश देकर मौके से मकान मालिक का बेटा बिलाल, एक प्रत्याशी का भाई जीशान व इरफान को दबोच लिया। तीनों से दो लैपटॉप और एक स्कैनर बरामद हुआ है। एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है कि मामले में जांच के बाद पूछताछ कर रहे हैं। अभी कई और लोगों के नाम आने की संभावना है। पुलिस ने तीनों को पकड़कर रात में विभिन्न जगह माल बरामद करने के लिए दबिश भी दी। वहीं, साहिबाबाद कोतवाली क्षेत्र में कुछ लोगों ने एक युवक को फर्जी आधार बनाकर प्रत्याशी के पक्ष में मतदान का लाभ करने की शिकायत मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी को पकड़कर थाने ले आई।

कमरे में बुलाकर एप के माध्यम से बनाते थे अश्लील वीडियो, वायरल करने की धमकी देकर वसूलते थे रुपये

लोनी में ग्राइंडर नामक एप से भोले लोगों को फंसाकर अश्लील वीडियो बना रंगदारी मांगने वाले 6 आरोपियों को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी जाल में फंसे लोगों को एक कमरे में ले जाते थे फिर अश्लील वीडियो बनाते थे। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रंगदारी मांगते थे। इस गैंग के चार सदस्य अभी फरार हैं। एसीपी रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि सोमवार को लोनी बार्डर थाने में एक तहरीर आई थी। तहरीर में लिखा था कि ग्राइंडर एप जो समलैंगिक लोगों के लिए है। इस एप के माध्यम से कुछ लोगों ने उन्हें फंसा लिया। आरोपियों ने पीड़ित युवक को जौहरीपुर मेट्रो स्टेशन के पास बुलाया। यहां से आरोपी बार्डर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में उसे ले गए। यहां युवक के जबरन कपड़े उतरवाने लगे। युवक ने विरोध किया, तो आरोपी गाली गलौच कर मारपीट करने लगे। आरोपियों ने जबरन उन्हें निवस्त्र किया और उसकी वीडियो बनाई। इसके बाद आरोपी वीडियो को वायरल करने की धमकी देने लगे। ऐसा नहीं करने पर आरोपियों ने युवक से रंगदारी मांगी। एसीपी ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस ने जांच की और इस मामले में गैंग के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम पुनीत त्यागी निवासी कृष्णाविहार, सुमित, राजा निवासी अमित विहार, शंभू कुमार, आशीष, अभिषेक निवासी प्रतापनगर दिल्ली बताए हैं। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने एक मोबाइल बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह एक ग्राइंडर नामक समलैगिंक एप चलाते हैं। जिसके जरिए लोगों को एप के माध्यम से अपने पास बुलाते हैं। सभी लोग अलग-अलग काम करते हैं जो लोनी और दिल्ली के रहने वाले हैं।

गाजियाबाद पुलिस अधिकारी लिस्ट

आईपीएस अधिकारी

अजय कुमार मिश्र
पुलिस कमिश्नर गाजियाबाद
9643322900
ऑफिस 0120-2820758

दिनेश कुमार ADCP
गाजियाबाद- 9643320500

रवि कुमार DCP rural
गाजियाबाद-9643322902

दीक्षा शर्मा DCP
ट्रांस हिंडन-9643322903

निपुण अग्रवाल DCP
सिटी- 9643322901
ऑफिस 0120-2854015

पाटिल निमिष दशरथ ACP
मसूरी- 9643322911

पीपीएस अधिकारी

सुभाष चंद्र गंगवार ADCP प्रोटोकाल/112 गाजियाबाद
9643322890

ज्ञानेद्र कुमार सिंह ADCP क्राइम
गाजियाबाद- 9643322905

रामानद PD कुशवाहा ADCP ट्रैफिक
गाजियाबाद- 9643322897
ऑफिस- 0120-2895520

आलोक दुबे ADCP/ACP नंदग्राम
गाजियाबाद- 9643322907
ऑफिस-0120-2791769

अवनीश कुमार ADCP/ACP
ऑफिस- गाजियाबाद
9643320207

सुनील कुमार सिंह एसीपी
सिक्योरिटी/महिला क्राइम

पूनम मिश्रा ACP- साहिबाबाद
गाजियाबाद-9643322909

स्वतंत्र कुमार सिंह ACP इंदिरापुरम
गाजियाबाद -9643322908
ऑफिस- 0120-2898131

भास्कर वर्मा ACP क्राइम/ट्रैफिक
गाजियाबाद 9643320599

अंशू जैन ACP कोतवाली
गाजियाबाद-9643322906
ऑफिस -0120-2733070

रजनीश कुमार उपाध्याय ACP लोनी
गाजियाबाद- 9643322910
ऑफिस 0120-3125539

अभिषेक श्रीवास्तव ACP कविनगर/लेखा
गाजियाबाद- 9643208958

रवि प्रकाश सिंह ACP वेव सिटी
गाजियाबाद -9643320404

रितेश त्रिपाठी ACP मोदीनगर
गाजियाबाद 9643322912

RI लाइन गाजियाबाद

उदल सिंह इंस्पेक्टर RI गाजियाबाद
9643322890
ऑफिस 0120-2766510

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargava at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. **Editor:** Dheeraj Kumar, **Resident Editor:** Manisha Bhargava** **Email:** editor@tbam.co.in
RNI. No: UPBIL/2009/28691, **Postal Registration No.** UP/GBD80/2016-18, **Advertisement :** Ph. No.: 0120-2850800, 2850297, **Fax :** 0120-4561000
Add: Plot No- 516, Sector- 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)**
Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.